

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सराडा जिला - उदयपुर

बजरिये श्री दिनेशचन्द्र धाकड आर.ए.एस.

प्रार्थना पत्र सं. 13A/2015

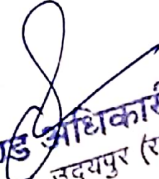
उनवान

1. श्री अमरजी पिता स्व. मोडाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
2. श्री देवजी पिता स्व. मोडाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
3. श्रीमती गंगा पत्नि स्व. मोडाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।

— प्रार्थीगण

बनाम

1. श्री धुला पिता धन्नाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
2. श्रीमती नाथी पुत्री पूजाजी पत्नि नानजी डांगी हाल निवासी किकोडिया, तह. सलूमबर जिला उदयपुर।
3. श्री रूपा पिता खेमा दादा पूजा डांगी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
4. श्रीमती गंगा बेवा खेमाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
5. श्री पेमा पिता वालाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
6. श्रीमती दलु बेवा वालाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
7. श्री अमरा पिता मन्नाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
8. श्री पूजा पिता गोतमाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
9. श्री गोकुल पिता गोतमाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
10. श्रीमती गलाल पत्नि गोतमाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।
11. श्री मोडा पिता लालुजी दादा हरकाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील सेमारी जिला उदयपुर।


उपखण्ड अधिकारी
सराडा, जिला-उदयपुर (राज.)

12. श्री पेमु पिता लालुजी दादा हरकाजी डांगी निवासी टाडा, बडावली तहसील
सेमारी जिला उदयपुर।
13. श्रीमान भूमीधारी तहसीलदार साहब सेमारी, जिला उदयपुर
14. श्रीमान प्रबन्धक महोदय, एसबीबीजे शाखा सलूम्वर।

—विपक्षीगण

प्रार्थनापत्र बाबत अस्थाई निषेधाज्ञा
अन्तर्गत धारा 212 आरटीए व
आदेश 39 नियम 1,2 जा.दी.


::: निर्णय :::

दिनांक: 16.01.2020

उपस्थिति:-

1. श्री भीमराज पटेल अभिभाषक प्रार्थीगण।

संक्षेपतः प्रार्थनापत्र के तथ्य निम्न प्रकार है। प्रार्थीगण द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 212 आरटीए एवं आदेश 39 नियम 1,2 जा.दी.के तहत प्रार्थनापत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी ने एक वाद पत्र घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा का विपक्षीगण के विरुद्ध पेश किया है तथा निवेदन किया है कि प्रार्थी द्वारा सजरे अनुसार गौताम मूल पुरुष थे जिनके तीन पुत्र गांगा, हरका, माना थे माना के कोई सन्तान नहीं होने के कारण लालू पिता धन्ना को गोद लिया जो लाओलाद फौत हुआ। जिसके लालू के तीन भाई धूला, पूंजा, मना बिना किसी अधिकार व कानून के अवेद्य रूप से वारिस बने। विवाद ग्रस्त भूमि मोजा टाडा बडावली खाता सं. 50 कुल किता 10 रकबा 48 बीघा 05 बिस्वा में खातेदार देवा पिता हिरा का 1/2 तथा गांगा, हरका माना पिता गोतमा का 1/2 हिस्सा बराबर था। जिसके हाल सेटलमेंट में बने नम्बर में प्रार्थीगण के दादा धूला के नाम 1/2 दर्ज चली आ रही आराजी को गलत रूप से हिस्सा 1/3 दर्ज कर दिया एवं विपक्षी सं. 01 लगायत 07 के पूर्वजों के नाम गलत रूप से 1/6 की बजाय 1/3 हिस्सा दर्ज कर दिया जिसकी विपक्षीगण सं. 1 से 7 तारीख 01.02.2015 को प्रार्थीगण के हिस्से में आई 1/2 हिस्से की जमीन पर कब्जा करने की नियत से धमकी दी एवं लडाई झगडा


उपखण्ड अधिकारी
सराडा, जिला-उदयपुर (राज.)

करने पर उतारू हुए इसलिए प्रार्थीगण को यह अस्थाई निषेधाज्ञा का दावा पेश करना पडा।

प्रार्थी ने प्रार्थना कि वादग्रस्त आराजी मौजा टाडा बडावली तहसील सेमारी की साबिक आराजी से बने हाल आराजी संख्या खाता सं. 271 संवत् 2071-74 कुल किता 30 रकबा 10.14 हेक्टेयर वाद के निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा से विपक्षीगण को पाबन्द किया जावे कि प्रार्थीगण के 1/2 हिस्से मे किसी प्रकार की दखलंदाजी नहीं करे व दौराने वाद विपक्षीगण किसी प्रकार का रहन बेचान नहीं करे, निर्माण ना करें।

प्रार्थनापत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। दिनांक 06.01.2016 को विपक्षीगण सं. 01 से 06 व 08 से 14 बावजूद सूचना के उपस्थित नहीं होने पर विपक्षीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये तथा दिनांक 12.01.2018 को विपक्षी सं. 07 के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये। अधिवक्ता प्रार्थी के प्रार्थना पत्र पर दिनांक 16.01.2020 को एकतरफा बहस सुनी गई।

पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेज का अवलोकन किया व योग्य अभिभाषक की बहस पर मनन किया। अतः प्राईनाफेसी केस, सुविधा का सन्तुलन व अपूर्णनीय क्षति के बिन्दू प्रार्थीगण के पक्ष में बखूबी साबित होने से प्रार्थीगण का प्रार्थनापत्र अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किये जाने योग्य है।

--: आदेश :-

प्रार्थीगण का प्रार्थनापत्र स्वीकार किया जाकर अस्थाई निषेधाज्ञा जारी कर विपक्षीगण को पाबन्द किया जाता है कि मौजा टाडा बडावली तहसील सेमारी खाता सं. नया 271 संवत् 2071-74 कुल किता 30 कुल रकबा 10.14 हेक्टेयर आराजी में प्रार्थी के हिस्से तक की आराजी पर मौके की यथास्थिति एवं राजस्व रिकॉर्ड की यथास्थिति मूल वाद के निस्तारण तक बनाये रखें।

निर्णय मेरे द्वारा आज दिनांक 16.01.2020 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(दिनेशचन्द्र धाकड)
उपखण्ड अधिकारी
न्यायालय (उदयपुर) (राज.)

FORM No III
(नियम 26)

फर्द अहकाम

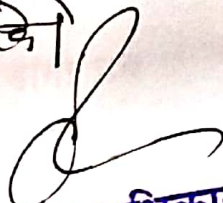
लत उपखण्ड इन्फिक्टरी सराड़ा
 उमरा बनाम गोड़ा
 कदमा सा पत्र पत्रावली नं. 131/2015 सन्

हुक्म या कार्यवाही/मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख अहकाम
जो इस हुक्म की तामील
में जारी हुए

16/1/20

पत्रा. पेया हुडी वकील जर्घी
 उख. पत्रा. में विपक्षीगण के
 विरुद्ध पूर्व में एक तहफा अर्जनादी
 में जारि हो चुके हैं। जमानत
 विपक्षीगण अनुमानित आठ
 अर्जनाद पर पर वकील जर्घी द्वारा
 एक तहफा कक्षा खुनी गई। जर्घी
 को अर्जनाद स्विकार किया परत
 हेतुवा निर्णय ले हुक्म लिखा
 जाकर उख. पत्रावली डिफ. जर्घी
 पत्रा. को मुख्या के साथ संलग्न
 किया जाये।


 उपखण्ड अधिकारी
 सराड़ा, जिला-उदयपुर (राज.)